मुख्य प्रश्न

1 तीमुथियुस 4:3 में प्रेरित पौलुस ने बात की है कि कुछ लोग दूसरों को “विवाह करने से रोकते हैं।” इसका असल मतलब क्या है, और आज के लिए इसका क्या अर्थ है?

बाइबिल पद – 1 तीमुथियुस 4:1–3
“परन्तु आत्मा स्पष्ट रूप से कहता है कि आने वाले समयों में कुछ लोग विश्वास से भटक जाएंगे, वे कपटपूर्ण आत्माओं और दानवों की शिक्षा के अनुसार काम करेंगे,
झूठे लोगों की धोखे की चालों के कारण, जिनकी चेतना जलाई हुई है,
जो विवाह को रोकते हैं और उन भोज्य पदार्थों से परहेज करते हैं जिन्हें परमेश्वर ने विश्वास रखने वालों के लिए धन्यवाद के साथ ग्रहण करने के लिए बनाया है, जो सत्य को जानते हैं।”
(1 तीमुथियुस 4:1–3)

पौलुस, जो पवित्र आत्मा के नेतृत्व में लिख रहे थे, “आने वाले समयों” (ग्रीक शब्द: kairos, जिसका मतलब एक निर्णायक समय है) के बारे में भविष्यवाणी करते हैं। वे कहते हैं कि कुछ विश्वास वाले झूठी, दानवीय शिक्षाओं का पालन करेंगे। उन शिक्षाओं में से एक है विवाह पर रोक लगाना — जो कि परमेश्वर द्वारा बनाई गई एक बुनियादी संस्था है (उत्पत्ति 2:24)

“विवाह पर रोक लगाना” का असली मतलब क्या है?
ग्रीक शब्द kōlyontōn का अर्थ है रोकना, अवरुद्ध करना, या किसी को कुछ उचित या अच्छा करने से रोकना। यह केवल सलाह देना नहीं है, बल्कि जानबूझकर परमेश्वर द्वारा स्थापित किसी चीज़ तक पहुँच को रोकना है।

यीशु ने भी इसी तरह की बात कही है:

“वे कानून के जानने वाले, तुम पर विपत्ति हो! क्योंकि तुम ज्ञान की कुंजी छीन ली है। तुम खुद अंदर नहीं गए, और जो अंदर जाना चाहते थे उन्हें रोक दिया।”
(लूका 11:52)

यहाँ धार्मिक नेता परमेश्वर की सच्चाई को गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं, जिससे दूसरों को राज्य में प्रवेश से रोका जाता है।

यह आज कैसे होता है – व्यावहारिक उदाहरण
पौलुस की चेतावनी केवल उनके समय तक सीमित नहीं थी—यह आज भी बहुत प्रासंगिक है। “विवाह पर रोक” के कई आधुनिक रूप मौजूद हैं, जो कभी-कभी सूक्ष्म या सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य होते हैं।

1. चर्चों में समलैंगिक “विवाह”
कई संप्रदाय अब समलैंगिक विवाह को स्वीकार करते हैं और कहते हैं कि ये पवित्र संबंध हैं। पर बाइबल में विवाह स्पष्ट रूप से एक पुरुष और एक महिला के बीच का संबंध है:

“इसलिए मनुष्य अपने पिता और माँ को छोड़कर अपनी पत्नी से जुड़ जाएगा, और दोनों एक देह होंगे।”
(उत्पत्ति 2:24)

ग़लत संबंधों को स्वीकार करके ये चर्च लोगों को धोखा देते हैं कि वे परमेश्वर के सामने विवाहित हैं — जबकि सच तो यह है कि वे वास्तविक संविदात्मक विवाह में प्रवेश से वंचित हैं।

2. बाइबिल के अनुसार बिना विवाह के सहवास
आज कई चर्चों में, जोड़े बिना विवाह के साथ रहते हैं, बच्चे पालते हैं, और ऐसा माना जाता है जैसे वे विवाहित हैं। जब नेतृत्व इस पाप को नहीं उठाता, तो वे सच्चाई को छुपाते हैं और उन जोड़ों को परमेश्वर की योजना का सम्मान करने से रोकते हैं।

“विवाह सभी के बीच सम्मानित हो, और विवाह का शय्यास्थान अविनाशी रहे, क्योंकि परमेश्वर व्यभिचारियों और व्यभिचारियों को न्याय देगा।”
(इब्रानियों 13:4)

इस तरह की चुप्पी लोगों को बिना सुधार के पाप में बनाए रखती है और उन्हें सही विवाह से रोकती है।

3. बिना बाइबिल के आधार के पुनर्विवाह
कुछ चर्च उन लोगों का विवाह करते हैं जिनका तलाक बाइबिल के अनुसार नहीं था, बिना उनकी पिछली स्थिति की जांच किए। यीशु ने स्पष्ट कहा
है:

“जो अपनी पत्नी को तलाक देता है और दूसरी से विवाह करता है, वह व्यभिचारी है; और जो व्यभचारी महिला से विवाह करता है, वह भी व्यभिचारी है।”
(लूका 16:18)

जब चर्च ऐसे संबंधों को स्वीकार करते हैं, तो वे अनजाने में किसी को

आजीवन व्यभिचार में ले जाते हैं।

4. बहुविवाह (एक से अधिक पत्नियाँ)
कुछ चर्च, खासकर कुछ संस्कृतियों में, पुरुषों को एक से अधिक पत्नियाँ रखने की अनुमति देते हैं, पुराने नियम के उदाहरण जैसे सुलैमान या दाऊद का हवाला देते हैं। पर नया नियम विवाह में एक पति एक पत्नी का आदेश देता है:

“वरमंदरी वही हो जो दोषरहित हो, एक पत्नी का पति …”
(1 तीमुथियुस 3:2)

हालांकि पुराने नियम में बहुविवाह था, वह कभी परमेश्वर की इच्छा नहीं थी। आज इसे स्वीकार करने वाली चर्च अपने सदस्यों को गुमराह करती हैं।

5. पाप को अनदेखा करना और सुधार न करना
जब चर्च अविवाहित जोड़ों के बीच असभ्य संबंधों को अनदेखा करते हैं — जो बिना विवाह के साथ रहते हैं, विवाह के बाहर संबंध रखते हैं, या एक साथ सोते हैं — वे सच्चाई छुपाते हैं।

यदि नेता बाइबिल की सच्चाई नहीं बताते, तो लोग कभी पाप की समझ से नहीं

गुजरेंगे और विवाह नहीं करेंगे। वे पाप में रहेंगे और सोचेंगे कि वे परमेश्वर के साथ ठीक हैं।

“क्या तुम नहीं जानते कि अधर्मी परमेश्वर के राज्य को नहीं
पाएंगे? धोखा मत खाओ: न व्यभिचारी … न वे परमेश्वर के राज्य को पाएंगे।”
(1 कुरिन्थियों 6:9–10)

इस छल से कैसे बचें

1. परमेश्वर से पूर्ण प्रेम करो

“तुम अपने परमेश्वर से पूरे हृदय, पूरे प्राण और पूरे मन से प्रेम करो।”
(मत्ती 22:37)

जब तुम परमेश्वर से पूरी तरह प्रेम करते हो, तब तुम उसकी सच्चाई खोजते हो, शास्त्र पढ़ते और समझते हो, और गलत शिक्षाओं को ठुकराते हो।

2. परमेश्वर के वचन में डूबो जाओ

“तेरा वचन मेरे पैर के लिए दीपक है, और मेरी राह के लिए ज्योति है।”
(भजन संहिता 119:105)

परमेश्वर का वचन आध्यात्मिक धोखे से बचाता है। यदि तुम सत्य नहीं जानते, तो तुम झूठ के शिकार हो सकते हो — जैसे समलैंगिक विवाह, बहुविवाह, या बिना विवाह के सहवास को विवाह कहना।

3. लगातार प्रार्थना करो

“प्रार्थना में निरंतर रहो, उसमें सतर्क और कृतज्ञ रहो।” (कलुस्सियों 4:2)

प्रार्थना तुम्हारा विवेक तेज करती है और परमेश्वर के साथ तुम्हारे संबंध को मजबूत बनाती है। यह तुम्हें सच्चाई में स्थिर रहने और सांस्कृतिक या सैद्धांतिक समझौते से बचने में मदद करता है।

अंतिम विचार: क्या तुम तैयार हो?

1 तीमुथियुस में पौलुस ने जिस छल से चेतावनी दी, वह आज भी सक्रिय है, खासकर विवाह के विषय में। वह धीरे-धीरे काम करता है—सांस्कृतिक प्रवृत्तियों, चर्च की परंपराओं, और पादरियों की चुप्पी के माध्यम से।

हमें जागना होगा और सच्चाई में चलना होगा। यदि तुम बाइबिल की शादी में नहीं हो या तुम्हारा रिश्ता शास्त्र के अनुसार नहीं है, तो परमेश्वर की खोज करो और पश्चाताप करो। हर उस व्यक्ति के लिए अनुग्रह है जो मसीह की ओर लौटता है।

“इसलिए पश्चाताप करो और अपनी ओर मुड़ो, कि तुम्हारे पाप मिट जाएं
… ”
(प्रेरितों के काम 3:19)

और यदि तुमने यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता नहीं माना है, तो अब समय है। दिन कम हैं। प्रभु शीघ्र आने वाला है।

□□□□□

Share on:
WhatsApp